



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42]

नई दिल्ली, सोमवार, फरवरी 7, 1977/माघ 18, 1898

No. 42]

NEW DELHI, MONDAY, FEBRUARY 7, 1977/MAGHA 18, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATION

CUSTOMS

New Delhi, the 7th February, 1977

G.S.R. 63(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts furnace oil, falling within Chapter 27 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), when imported into India, for use otherwise than as foodstock, in the manufacture of fertilizers, from so much of that portion of the additional duty leviable thereon under section 3 of the second mentioned Act, as is in excess of the duty of excise leviable on such product manufactured in India when intended for use, otherwise than as foodstock, in the manufacture of fertilizers;

Provided that the importer or the actual user, by execution of a bond in such form and in such sum as may be prescribed by the Assistant Collector of Customs, binds himself to pay, on demand, in respect of such quantity of furnace oil as is not proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to have been used for the aforesaid purpose, an amount equal to the difference between the duty leviable on such quantity but for the exemption contained herein and that already paid at the time of importation.

[No. 22/F.No 355/117/76-Cus.I.]

G S. SAWHNEY, Addl Secy

राजस्व और बेकिंग विभाग

(राजस्व पक्ष)

अधिसूचना

सीमा-शुल्क

नई दिल्ली, 7 फरवरी, 1977

सां. कां. मि. 63(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 25 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अपना समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में आवश्यक है, सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के प्रथम, अनुसूचि के अध्याय 27 में आने वाले मट्टी के तेल को जब उसका उर्वरकों के विनिर्माण में फ्रिड-स्टाक से भिन्न रूप में उपयोग करने के लिए भारत में आयात किया जाए, सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3 के अधीन उस पर उद्ग्रहणीय अतिरिक्त शुल्क के उतने भाग से छूट देता है जो भारत में विनिर्मित होने वाले ऐसा उत्पादों पर, जब उसका उपयोग उर्वरकों के विनिर्माण से भिन्न के लिए आशयित हो उद्ग्रहणीय शुल्क से अधिक हो ;

परन्तु यह तब जब आयातकर्ता साहायक सीमा-शुल्क कलक्टर द्वारा विहित प्ररूप में और राशि का बन्ध पत्र निष्पादित करके स्वयं को इस बात के लिए आबद्ध करता है कि वह मट्टी के तेल की ऐसी मात्रा पर, जिसकी बाबत साहायक सीमाशुल्क कलक्टर के समाधानप्रद रूप में यह साबित नहीं किया गया है कि वह पूर्वीवर्त प्रयोजन के लिए उपयोग में लाई गई है, तो वह उतनी रकम का भुगतान करेगा जो इस अधिसूचना में दी गई छूट के न दिए जाने की दशा में उस पर उद्ग्रहणीय शुल्क और आयात करते समय पहले ही संदत्त शुल्क के अन्तर के बराबर हो ।

[सं० 22/सां० सं० 355/117/76-सी० शु०-1]

गु० सि० साहूजी, अपर सचिव ।

महा प्रबन्धक, भारत सरकार मंत्रालय, मिनटो रोड, नई दिल्ली द्वारा
मुद्रित तथा नियंत्रक, प्रकाशन विभाग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित 1977